om-21-2014- shiv avtaran-final_Layout 4 1/20/2014 7:44 PM Page 1

ओमशान्ति मीडिया

महाशिवरात्रि विशेषांक

वर्ष 14 | अंक-21 | फरवरी-I, 2014 | पाक्षिक | माउण्ट आबू | मूल्य-7.50

ईश्वरीय शक्ति एवं वरदानों से 2014 बनेगा स्व-परिवर्तन वर्ष

नई दिल्ली। नव-वर्ष के उपलक्ष्य में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय हरी नगर सेवाकेंद्र द्वारा "शान्ति और समृद्धि के लिए ईश्वरीय शक्ति एवं वरदानों की प्राप्ति" विषय पर आयोजित एक सार्वजनिक स्नेह मिलन में 2014 को स्व-परिवर्तन वर्ष के रूप में मनाने का संकल्प लिया गया।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष न्यायाधीश वी. ईश्वरैया ने कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि जैसे दिल्ली में सुधार लाने के लिए आम आदमी पार्टी आई है वैसे संसार को सुधारने के लिए परमात्मा अवतरित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन और समाज में शान्ति एवं समृद्धि के लिए सद्भावना, सद्गुण और सत्कर्मों की आवश्यकता है, जो कि ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग से ही विकसित हो सकते हैं।

नये वर्ष के कार्यक्रम 'रिसीविंग गॉड्स पावर एण्ड ब्लेसिंग फॉर पीस एण्ड प्रोग्रेस' में दीप प्रज्वलन करते हुए न्यायाधीश वी. ईश्वरैय्या, जगदीप सिंह,विधायक 'आप', कर्नल वी.सी. साटी, ब्र.कु. कमलेश तथा ब्र.कु. सुंदरलाल।

उन्होंने कहा कि समाज में जिस गति से पाप, भ्रष्टाचार और विशेष महिलाओं तथा बच्चों के ऊपर यौन अपराध बढ़ रहे हैं, ऐसे समय में आध्यात्मिक शिक्षा द्वारा लोगों की मनोवृत्ति, नज़रिया, चरित्र एवं आचरण को शालीन और श्रेष्ठ बनाने की आवश्यकता है। इस दिशा में ब्रह्माकुमारी संस्था की सात सूत्रीय शुभ संकल्प सूची बहुत कारगर साबित होगी।

आम आदमी पार्टी के हरी नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सरदार जगदीप सिंह ने इस अवसर पर सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि लगन से लोगों की सेवा करने की प्रेरणा उन्हें स्वयं परमात्मा से प्राप्त हुई है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्था के ईश्वरीय कार्य में पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि परमात्म-कार्य ही जन-कल्याण सेवा है जिससे आत्मा को शान्ति मिलती है और जिस सेवा के लिए आम आदमी पार्टी समर्पित है।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.कमलेश ने नए वर्ष की सभी को बधाई देते हुए सांसारिक जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान का समावेश कर कमल पुष्प समान न्यारा व प्यारा जीवन व्यतीत करने की प्रेरणा दी।

ब्र.कु.प्रियंका ने उपस्थित जनसमूह को सात सूत्रीय दृढ़ संकल्प सूची का पाठ कराते हुए सकारात्मकता, दिव्य गुण, अच्छी आदतें एवं आचरण अपनाने के लिए आग्रह किया। स्कूल के बच्चों ने मानवीय मूल्यों पर आधारित दिव्य गीत , संगीत एवं नृत्य नाटिका द्वारा जन समागम को मोहित किया।

ओ.आर.सी. में मनाया गया विजयोत्सव

गुड़गाँव-ओ.आर.सी.। युगलों के लिए आयोजित विजयोत्सव का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए दादी जानकी, दादी कमलमणि, दादी रुकमणि, ब्र.कु.बृजमोहन, ब्र.कु.शुक्ला, ब्र.कु.रानी तथा अन्य। हॉल में उपस्थित हैं विजयोत्सव के लिए आए सभी युगल।

गुड़गाँव-ओ.आर.सी.। ब्रह्माकुमारीज़ के बहोड़ा कलां, पटौदी रोड स्थित ओम शान्ति रिट्रीट सेन्टर में 7 व 8 दिसम्बर को आदरणीय दादी जानकी के सानिध्य में दिल्ली ज़ोन के 15 वर्ष से अधिक ईश्वरीय ज्ञान व मर्यादाओं का पूर्ण रूप से पालन करने वाले युगलों के लिए विजय उत्सव का आयोजन किया गया।

युगलों के आगमन पर उनका स्वागत किया गया तथा दादी जानकी जी व अन्य दादियों ने इन सभी युगलों को अपने आशीर्वचनों से भरपूर किया। सभी दादियों व ओ.आर.सी. में निमित्त त्रिमूर्ति बहनों ने अपने हस्तों द्वारा इन सभी युगल मूरतों को बाबा के घर से सौगात भेंट की।

विभिन्न सेवाकेन्द्रों की दस टीचर्स बहनों ने स्टेज पर योग कराया, इसके पश्चात् ब्र.कु. बृजमोहन ने शक्तिशाली क्लास कराकर सभी में बल भरा।

दादी ने अपने अनुभव, अपनी आशाओं तथा बाबा की आशाओं को सभी के सामने रखा। उन्होंने ब्रह्मा वत्सों से दिल्ली में 18 जनवरी पर बाबा की उम्मीदों पर खरा उतरने हेतु कार्यक्रम रखने की सलाह दी क्योंकि बाबा ने दिल्ली को 45 साल अव्यक्त पालना दी है। उन्होंने कहा, मैं ये नहीं कहती सभी आत्माओं को सन्देश मिले परन्तु सभी आत्माओं को साक्षात्कार हो। सभी कहें मेरा बाबा मुझको मिल गया।

उन्होंने कहा कि हमें श्वांस, संकल्प और समय तीनों बाबा की याद में सफल करना है। कभी भी हमारे श्वांस, संकल्प से दु:ख की लहर का नाम-निशान न हो।

उन्होंने कहा जब बाबा ने सबसे पहले दिल्ली में मुरली चलाई तो सभी घबरा गये कि बाबा क्या बोलेंगे। ये नाटक है कहां अटको नहीं, लटको नहीं, चटको नहीं। अटकना, चटकना, लटकना न्यारा और प्यारा नहीं बनने देता। दुनिया को प्रभु चला रहा है मनुष्य की बात नहीं है।

विजयोत्सव में पवित्र प्रवृत्ति मार्ग में चलने वाले युगलों का किया गया सम्मान

इसके पश्चात् सभी युगलों को आदरणीय दादीजी ने बहुत सुन्दर मालायें पहनाईं और सौगात प्रदान की। युगलों के लिए गार्डन में केक कटिंग सेरीमनी व संगीत संध्या का भी आयोजन किया गया। संगीत के साथ गार्डन में दादी जी का स्वागत किया गया और केक काटने के पश्चात् सभी ने गुब्बारों से खेलते हुए रास की। इसके बाद संगीतकारों व नृत्य कलाकारों ने अपनी कला प्रस्तुत कर इस अलौकिक रात्रि में नये रंग भरे।

सभी विजयी रत्न बाबा के घर से प्राप्त सौगात, ताज, माला व चुनरी पहनकर बाबा के कमरे में गये, बाबा के कमरे में इन्हें ब्लैसिंग कार्ड मिला। इसके पश्चात् सभी झण्डे के नीचे गये और प्यारे बाबा की स्मृति में ध्वजारोहण कर बाबा से कुछ प्रतिज्ञाएं की। इसके पश्चात् ये प्रोसेशन के रूप में मेन ऑडीटोरियम में पहुंचे जिसको बहुत ही सुन्दर रूप देकर सजाया गया था। ऑडीटोरियम में पहुंचने पर इनका गीत, कवाली व नृत्य द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

दादी जी के स्वागत के पश्चात् दिल्ली के कुछ बच्चों ने यज्ञ से संबंधित कुछ झलकियां प्रस्तुत की जिन्हें देखकर सभी भाव-विभोर हो गए। तत्पश्चात् दादी जी ने अपने कमल हस्तों से ओ.आर.सी. व विजय उत्सव के निमित्त सजे हुए केक काटे। विजय उत्सव के साथ ओ.आर.सी. का वार्षिक उत्सव भी दादी जानकी जी के सानिध्य में बहुत धूमधाम से मनाया गया।

शान्तिवन। दादी जानकी सभी वरिष्ठ भाई-बहनों के साथ केक काटते हुए।

नव वर्ष के अवसर पर विशाल डायमण्ड हॉल में महान हस्तियों की उपस्थिति में दादी जानकी का 98वाँ जन्मदिन बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कई रंगारंग कार्यक्रम हुए और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ पेश की गईं। तीस से अधिक देशों से आए अतिथियों सहित पूरा हॉल ब्रह्मवत्सों की मौजूदगी में खचाखच भरा हुआ था। संस्थान के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर ने दादी के 98वें जन्मदिवस पर शुभकामनाएँ दी। दादी जानकी ने कहा कि परमात्मा के साथ के जीवन के पल बहुत ही सुखद अनुभव कराते हैं और जीवन में त्याग का बहुत बड़ा महत्व है जिससे ही हमारी तकदीर की तदबीर बनती है। दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.मुन्नी, ब्र.कु.निर्वैर, ब्र.कु.बृजमोहन, ब्र.कु.रमेश, ब्र.कु.करुणा, ब्र.कु.मृत्युन्जय, ब्र.कु.आत्मप्रकाश, ब्र.कु.ओमप्रकाश सहित अनेक वरिष्ठ भाई-बहनों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

विश्व शान्ति सभागार में होगा श्रेष्ठ समाज का निमार्ण

पानीपत। विश्व शान्ति सभागार में श्रेष्ठ भावी पीढ़ी व श्रेष्ठ समाज का निर्माण होगा। आनेवाले समय में इस सभागार में होने वाले कार्यक्रम मनुष्यों में श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण करेंगे। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ के निर्माणाधीन परिसर ज्ञान मानसरोवर में विश्व शान्ति सभागार का शिलान्यास करते हुए कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पधारे हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने व्यक्त किए।

उन्होंने आगे कहा कि आज समाज में इन्सान तो बढ़ते जा रहे हैं परन्तु इन्सानियत घटती जा रही है। आज मानव अपने मार्ग से भटक चुका है और हिंसा के मार्ग पर अग्रसर हो रहा है। परन्तु हिंसा से ज़्यादा शक्ति है अहिंसा के मार्ग पर। गांधी जी ने अहिंसा का मार्ग अपनाकर ही हमें आज़ादी दिलाई। एक सुसंस्कृत, चरित्रवान मनुष्य ही अहिंसा के मार्ग पर चल सकता है और दूसरों के सामने आदर्श प्रस्तुत कर सकता है।

कार्यक्रम में पधारी मुख्य वक्ता ओ.आर.सी. की डायरेक्टर ब्र.कु.आशा ने कहा कि विदेशों में आज भी भारत की संस्कृति का सम्मान किया जाता है। भारत को आध्यात्म के जगतगुरु के नाम से जाना जाता है और आज भी वे भारत से ही आध्यात्म शक्ति लेते हैं। इसलिए अब हमारा भी कुछ कर्तव्य बनता है कि हम अपनी इस सुसंस्कृति को बरकरार रखें, न कि पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर स्वयं को मूल्यहीन बनाएं। उन्होंने कहा कि आज मुझे इस बात पर अफसोस होता है कि हमारे भाई-बहनें आधुनिकता के नाम पर अपने चरित्र का पतन कर रहे हैं। तन ढ़कने की वस्तु है और संस्कार दिखाने की, परन्तु आज मानव बिल्कुल इसके विपरीत कर रहा है। श्रीमद्भागवद् गीता में भी वर्णित है कि अर्जुन तुम काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार को अपना शत्रु मानकर इनका वध करो।

ज्ञान मानसरोवर के ब्र.कु.भारत भूषण ने अतिथियों का अभिनन्दन करते हुए सभी श्रोताओं को ईश्वरीय विश्वविद्यालय की गतिविधियों से अवगत कराया। साथ ही साथ श्रेष्ठ समाज के निर्माण में इस निर्माणाधीन परिसर के योगदान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार इस निर्माणाधीन परिसर में अब तक 10 से ज़्यादा विशाल सेमिनारों का सफल आयोजन किया जा चुका है जिनमें मुख्य है पंच सरपंच सम्मेलन, महिला सशक्तिकरण, यौगिक खेती, क्लीन द माइंड ग्रीन द अर्थ एवं चरित्र निर्माण द्वारा नव निर्माण। ब्रह्माकुमारीज़ की पानीपत सबज़ोन इंचार्ज ब्र.कु.सरला ने अपनी शुभकामनाएँ दीं और राजयोग का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में अन्य मुख्य अतिथियों में सांसद अरविन्द शर्मा, धर्मसिंह छौक्कर, विधायक बलबीर पाल शाह तथा बच्चन सिंह आर्य भी शामिल रहे। अनेकानेक बच्चों ने अपने नृत्य द्वारा सबका मन मोह लिया।

ज्ञान मानसरोवर में विश्व शान्ति सभागार के शिलान्यास कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन करते हुए माननीय मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, ब्र.कु. आशा तथा ब्र.कु. भारत भूषण।

अहिंसा से पुन:स्थापित होगा स्वर्णिम संसार

चेन्नई। सम्मेलन के दौरान अपने भाव व्यक्त करते हुए पूर्व सी.बी.आई. निदेशक डॉ. डी.आर.कार्तिकेयन, ब्र.कु.बृजमोहन, ब्र.कु.आशा एवं पूर्व एक्टिंग जस्टिस आंध्रप्रदेश हाई कोर्ट वी.ईश्वरैया।

चेन्नई। जहां आज संपूर्ण राष्ट्र में महिलाओं के प्रति हिंसात्मक प्रवृत्तियाँ अपने चर्मोत्कर्ष पर है वहीं ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा अहिंसा एवं सत्य पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का विषय था 'अहिंसा परमोधर्म तथा भगवद्गीता'। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 21 दिसंबर 2013 को सायं 6:30 बजे रानी सेथाई हॉल, चेन्नई में तमिलनाडु के डॉ.रोसइय्या द्वारा किया गया।

सभी वक्ताओं ने इस प्रकार के सम्मेलनों को महत्वपूर्ण बताया। सभी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अहिंसा महान आचरण है जिसका प्रचीन भारत के लोग अपने जीवन में निर्वाह करते थे। आध्यात्मिक बुद्धिमता एवं विश्वव्यापी मूल्यों की धारणा के लिए गीता की महत्ता को स्वीकार किया गया। गीता में उस विलक्षण युद्ध के विषय में हमें स्पष्ट उल्लेख मिलता है। परमात्मा ने सम्पूर्ण अहिंसा द्वारा पवित्र विश्व की स्थापना की, न कि हिंसा के द्वारा। भगवद्गीता के कुछ अध्याय का अध्ययन सभी को निरंतर करना चाहिए तथा नई पीढ़ी को इसके महत्व के प्रति जागृत करना चाहिए।

भारत शब्द तीन अक्षरों से मिलकर बना है, जिसमें 'भा' का अर्थ है - धन्यागार, जो कि समृद्धि का परिचायक है, 'र' का अर्थ है - संस्कृति सम्पन्न, जो कि प्राचीन समाज में था एवं 'त' का अर्थ है - दैवी एवं आध्यात्मिक रूप से समृद्ध। हमारे देश को अहिंसा के महान दैवी गुण द्वारा ही आज़ादी प्राप्त हुई। परंतु आज अपने चारो ओर की घटनाओं को देखकर हम शर्मिंदगी महसूस करते हैं। इसको ही धर्मग्लानि कहा जाता है। इस समय पर आकर होने वाली घटनाओं को देखकर सभी एक स्वर में कहते हैं कि हम इस भारत के रहने वाले नहीं हैं जो आज हमें दिखाई दे रहा है परंतु देवी-देवताओं के भारत जहां सुख एवं शांति थी, हम उस भारत के रहने वाले हैं।

आध्यात्मिक बुद्धिमता एवं विश्वव्यापी मूल्यों की धारणा के लिए गीता की महत्ता को स्वीकार किया गया। गीता में उस विलक्षण युद्ध के विषय में हमें स्पष्ट उल्लेख मिलता है। परमात्मा ने सम्पूर्ण अहिंसा द्वारा पवित्र विश्व की स्थापना की, न कि हिंसा के द्वारा। भगवद्गीता के कुछ अध्याय का अध्ययन सभी को निरंतर करना चाहिए तथा नई पीढ़ी को इसके महत्व के प्रति जागृत करना चाहिए।

अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति ईश्वरैय्या, मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, तमिल वनन एवं रमा सुब्रमनियम, सी.बी.आई के निदेशक डॉ. डी.आर.कार्तिकेय, श्री रामकृष्ण मठ, चेन्नई के श्रीमत स्वामी बुद्धिनंदजी महाराज, लेखक एवं विद्वान चार्टर्ड एकाउण्टेंट श्री एस. गुरुमूर्ति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस.एम.मिश्रा, ब्रह्मज्ञान सभा के निदेशक थीरु ला, गीता के विद्वान श्री आई.त्रिनाथ एवं पुष्पा पांडेय, अतिरिक्त सचिव एवं प्यूरिटी मैगज़ीन के संपादक ब्र.कु. बृजमोहन, ओम शान्ति रिट्रीट सेंटर दिल्ली की निदेशिका ब्र.कु.आशा आदि सम्मिलित थे।

आरंभ में ब्रह्माकुमारीज़ के तमिलनाडु ज़ोन की संचालिका ब्र.कु. बीना ने संस्था का संक्षिप्त परिचय दिया एवं सम्मेलन में पधारे अतिथियों का स्वागत किया। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. डॉ. उमा एवं ब्र.कु. मुत्थुमणि ने प्रतिभागियों को कॉमेन्ट्री द्वारा योग करवाकर शांति की अनुभूति कराई। संगीत निदेशिका एवं गायिका एस.जे.जनानी ने अपने मधुर संगीत द्वारा सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री जगदगुरु वेद विद्यापवन विद्यालय के विद्यार्थियों ने गीता के श्लोक उच्चारित कर वातावरण को और दिव्य बनाया। कलाइमायनी के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्रथम दिन ब्र.कु. सुदर्शन एवं ब्र.कु.नीलिमा द्वारा मंच संचालन किया गया।

ब्र.कु. पंकज एवं ब्र.कु. देवी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया तथा ब्र.कु. नीलिमा एवं ब्रह्माकुमारी बहनों ने योग के द्वारा सभी को शांति का अनुभव कराया। ब्र.कु. रंजनी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

वर्तमान समय हरेक के मस्तिष्क में चल रही महाभारत

अहिंसा परमोधर्म तथा भगवद्गीता' पर हुआ मंथन

प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा गीता के प्रत्येक श्लोक के गुप्त अर्थों पर चिंतन किया गया। वार्तालाप के मध्य कई विवादास्पद विषयों पर ध्यान केन्द्रित किया गया जैसे - क्या ज्ञान और अज्ञान का एक साथ अस्तित्व है? क्या आज के परिप्रेक्ष्य में गीता के अलग अध्याय की आवश्यकता है? दैवी सम्पत्ति, आसुरी संपत्ति एवं रुद्र ज्ञान यज्ञ का सही अभिप्राय क्या है? प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भगवद्गीता एवं अन्य शास्त्रों के आधार पर इन विषयों पर अपने मत प्रस्तुत किए।

महाभारत एक समय पर होने वाली घटना नहीं है। यह केवल एक अर्जुन को हिंसात्मक युद्ध करने को प्रेरित करने पर आधारित नहीं है। आज प्रत्येक व्यक्ति के मस्तिष्क में महाभारत का युद्ध चल रहा है। परमपिता परमात्मा सभी आत्माओं के समक्ष इसका रहस्योद्घाटन करते हैं। गीता के आधार पर कोई भी व्यक्ति अमरता को प्राप्त कर सकता है। यदि गीता के प्रत्येक श्लोक के सही अर्थ एवं महत्व को समझें तो व्यक्ति मानसिक एवं भावनात्मक रूप से स्थिर हो सकता है।

आज लोगों का यह मानना कि 'शक्ति ही सत्य है' अन्याय का कारण है। यह विचार भी पूर्णत: सही नहीं है, यह रजोगुण दर्शाता है जो अहिंसा से स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होती है। प्रकाश का अभाव अंधेरा है, इसलिए सत्य एवं असत्य का एक साथ होना संभव नहीं है।